nt>

Title: Problem of unemployment due to economic policies and the labour laws.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : अध्यक्ष जी, आज सम्पूर्ण प्रदेशों में केन्द्रीय आर्थिक मदद न मिलने के कारण एवं श्रम कानूनों में सरलीकरण न होने के कारण 98 लघु उद्योगों से 27 बंद पड़े हुए हैं। 1754 कामगार बेकार हैं। तालाबंदी का मुख्य कारण है कि वहां कच्चे माल के दाम बढ़ा दिए गए हैं, लेकिन उत्पादन के दाम नहीं बढ़े हैं। इसके साथ ही बड़े उद्योगों के साथ प्रतिस्पर्धा भी एक कारण है। â€¦ (व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा : आपने और लोगों को भी चांस दिया है।

अध्यक्ष महोदय : यह सही नहीं, बिना नोटिस के मैंने किसी को नहीं बोलने दिया है। उनके लीडर ने समय मांगा था। आपके लीडर ने नहीं मांगा। अगर लालू प्रसाद जी समय मांगते तो मैं समय दे देता।

श्री शैलेन्द्र कुमार : पारिवारिक विवाद के कारण है श्रमिकों पर बहुत ज्यादा खर्च हुआ है। उसके कारण 27 यूनिट्स बंद हो गईं।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Till now, nobody has asked me for an opportunity.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप बीच में इंटरप्ट न करें। You have raised a very good point.

श्री शैलेन्द्र कुमार : अपट्रान की पांच यूनिटों के 480 श्रमिक बेकार पड़े हुए हैं और भुखमरी की कगार पर हैं। उत्तर प्रदेश में लखनऊ में, अटल जी के प्रधानमंत्रित्व काल से ही इन इकाइयों के श्रमिक बेकार पड़े हुए हैं। मैं आपको बताना चाहूंगा कि इनमें उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम वर्कशाप के 127, सनविन्ड केमिकल्स के 20, अमौसी ट्केसटाइल्स मिल के 499 और गणेश आयरन स्टील रोलिंग मिल के 36 श्रमिक बेकार हैं। कुल मिलाकर ये 27 मिलें हैं, जिनमें 1754 मजदूर आज बेकार हैं। मैं मंत्री जी को पूरी लिस्ट बाद में दे दूंगा। मैं कहना चाहूंगा कि जरूरत पड़ने पर श्रमिकों ने मालिकों का हमेशा साथ दिया है। लेकिन आज श्रमिक बेकार पड़े हैं, उनके घरों में भुखमरी है। उनकी महिलाएं इस समय बेकार हैं। काफी श्रमिकों को समय-समय पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी विभागों में खपाने का काम किया गया है और उनको रोजगार दिया गया है। मैं आपके माध्यम से सरकार ने मांग करता हूं कि ये जो 27 लघु उद्योग बंद पड़े हैं, उनको आर्थिक मदद देकर और श्रम कानून का सरलीकरण करके चालू कराया जाए, तभी इन बेकार मजदूरों की समस्या दूर होगी। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।